



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जनराज	२५-१०-२२	५	१-६

हक्कि में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वात्मीकि जयंती

बीआर काम्बोज ने महर्षि वात्मीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

जगरण संवददाता हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर यनिवासिंटी स्वैप्सन कुनियन की ओर से महर्षि वात्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दैर्यान मुख्यालिय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। उन्होंने महर्षि वात्मीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कर्यालय का शुभारंभ किया। मुख्यालिय ने कहा कि महर्षि वात्मीकि समस्त जीवितों ने सर्वप्रथम कवि माने गए हैं। क्योंकि उन्होंने भगवन् श्रीराम से जुड़े महाकाव्य रामायण की रचना की थी।

मुख्यालिय ने कहा कि महर्षि वात्मीकि जैसे संतों ने समाज के किसी भी विशेष वर्ग, जाति व समुदाय के लिए काम न कर अपितु हर व्यक्ति के हित के लिए काम किया। इसलिए हमें ये महर्षि वात्मीकि के दिखाए मार्ग का अनुसरण कर सदैव महारात्मक सोच के साथ दूसरों के हित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यालिय ने विश्वविद्यालय प्रशान्त वर्षे सफ-सुधा तरक्कर उसे न केवल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने पर



हक्कि में आयोजित महर्षि वात्मीकि जयंती कार्यालय के दैर्यान मुख्यालिय डॉ. बी.आर. काम्बोज द्वारा सम्मिलित करते हुए।

सभी कर्मचारियों का धन्यवाद किया। निदेशक डॉ. बलबन सिंह मंडल कपिल अरोड़ा, महारायक कुलसचिव साथ ही विश्वविद्यालय की भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा पौधारोपण कर अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबन सिंह मंडल ने भी महर्षि वात्मीकि के दिखाए मार्ग पर प्रवर्षा ढाली। मुख्यालिय प्रो. काम्बोज सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विद्यार्थी नवीन जैन ने एक दृश्य द्वारा प्रवर्षा कर दी।

ताराचंद, होटा प्रधान डॉ. अशोक एग्रीकल्चर यनिवासिंटी स्वैप्सन कुनियन कार्यालय के परिसर में गोदारा एवं गैर शिक्षक कर्मचारी गोदारा एवं गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील कुमार, पौधारोपण किया। इस अवसर पर ताराचंद, होटा प्रधान डॉ. अशोक एसके पालजा, परोक्ष विद्येशक एवं अशोक गोदारा, मौदिया एडवाइजर डॉ. संदीप अर्य, कुलपति सभिय गोदारा, महारायक जैगेंद्र सिंह सहित कार्यकारिणी के सदस्य केलाल गैरिया, व अन्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मासिक	२७-१०-२३	३	७-४

महर्षि वाल्मीकि ऋषियों में सर्वप्रथम कवि : प्रो. काम्बोज



भास्त्रज न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन, हिसार की तरफ से महर्षि वाल्मीकि जयंती भूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य पर बतौर मुख्यातिथि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। मुख्यातिथि ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ञवलित कर

कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समस्त ऋषियों में सर्वप्रथम कवि माने गए हैं। क्योंकि उन्होंने भगवान् श्रीराम से जड़े महाकाव्य रामायण की रचना की थी। इसलिए वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। मुख्यातिथि ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जैसे संतों ने समाज के किसी भी विशेष वर्ग, जाति व समुदाय के लिए काम न कर अपितु हर व्यक्ति के हित के लिए काम किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाला	२९-१०-२३	२	५-६

हकृति में कर्मियों ने मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम का मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि सभी परेशानियों का हल निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह ने भी महर्षि वाल्मीकि के दिखाए मार्गों पर प्रकाश डाला।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन कार्यालय के परिसर में पौधारोपण



हिसार के हकृति में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर पौधारोपण करते मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज। स्रोत: संघीय संघ

किया। इस मैंके पर हौटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील कुमार, महासचिव राजकुमार गंगवानी व सचिव रामस्वरूप,

अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के प्रधान मनोज, महासचिव नवीन कुमार, सफाई कर्मचारी संघ के प्रधान कालूराम, महासचिव जोगेंद्र सिंह उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब ईसरी	२९-१०-२३	५	१-६

हफ्ते में मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती



कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यांतिथि प्रो. डॉ. आर. काम्बोज।

हिसार, 28 अक्टूबर (अग्रे): छहियों में मन्त्रप्रश्नम कवि माने गए हैं। व्योमिक उन्होंने भगवान् श्रीराम से उन्हें महाकाव्य रामायण की रचना की थी। महर्षि वाल्मीकि जैसे संतों ने समाज के किसी भी विशेष वर्ग, जाति व समुदाय के लिए काम न कर अपितु हर व्यक्ति के हित के लिए काम किया। इसलिए हमें भी महर्षि वाल्मीकि के दिखाए राम का अनुसरण कर सदैव सकारात्मक सोच के साथ दूसरों के हित करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

मुख्यांतिथि प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समस्त

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बहलोन सिंह मंडल ने भी महर्षि वाल्मीकि के दिखाए राम की प्रकाश डाला।

इस अवसर पर होठा प्रधान डॉ. अशोक गोदाय, डॉ. शिखल कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील कुमार, महासचिव राजकुमार गंगवाली व मन्त्रिमण्डप, अनुसंधान नियन्त्रण विभाग के कर्मचारी संघ के प्रधान मनोज कुमार, महासचिव नवीन कुमार, सप्तर्षी कर्मचारी संघ के प्रधान काशुराम, महासचिव जोगेंद्र खिंड सहित कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टॉर भौम	२९-१०-२३	१०	७-८

हक्की ने धूगंधान से ननाई गई महर्षि वाल्जीकि जयंती
 छिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एकीकरण यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन की ओर से मठर्षि वाल्जीकि जयंती धूगंधान से ननाई गई। इस भोके पर बोर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. कालवोज रहे। मुख्यातिथि वाल्जीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ञवलित कर कार्यक्रम का शुभांस्कु किया। मुख्यातिथि प्रो. डॉ. आर. कालवोज ने कठा कि मठर्षि वाल्जीकि समास्त प्राचिन में सर्वश्रेष्ठ कवि माने गए हैं। क्योंकि उन्होंने भठावान श्रीराम से जुड़े गहाकाव्य राजायण की रचना की थी। इसलिए वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। विश्वविद्यालय के कुलसंचित एवं विस्तार शिक्षा विदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मठर्षि वाल्जीकि के दिखाए मार्गों पर प्रकाश डाला। मुख्यातिथि प्रो. कालवोज सहित विश्वविद्यालय के कुलसंचित एवं विस्तार शिक्षा विदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल और वित्त मिंिस्टर बघोल जैन ने एकीकरण यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन कार्यालय के परिसर में पौधरोपण किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मान पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टिनाम	२१-१०-२२	४	५-६

ठक्करी में धूमधाम से मनाई जायती

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एग्रीकल्चर यूनिवरिंटी स्लीपर्स यूनियन, हिसार की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। गुज्जातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. आर. कान्खोज ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समस्त ऋषियों में सर्वप्रथम कवि माने गए हैं, क्योंकि उन्होंने अनगत श्रीराम से जुड़े नहाकाव्य रामायण की रचना की थी। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, परीक्षा विद्यार्थक एवं मूदृश्य संरचना हक्काई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, होटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा, गोडुया एडवाइजर डॉ. संकीर्ण आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील कुमार, महासचिव राजकुमार नंगवानी थे सचिव राजस्वरूप भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	28.10.2023	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एकीकल्पना यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन, हिसार की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। इम उत्सव का बाहर मुख्यालियत विश्वविद्यालय के कुलसंचालक प्रे. वी.आर. कुमार द्वारा किया गया है। मुख्यालियत ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समस्त ऋषियों में सर्वधूमधाम क्षम भाने या है क्विंकि उन्होंने भगवान् ब्रह्म से जुड़े महाकाश दमायण की रचना की थी। इसलिए वे अमादास्य व्यक्तिगत के थे। महर्षि वाल्मीकि जैसे संतों ने समाज के किसी भी विषेष वर्ग, जाति य समूह के लिए काम न कर अपनु हर व्यक्ति के हित के लिए काम किया। इसलिए हमें भी महर्षि वाल्मीकि के लिखा यार्थ का



महर्षि वाल्मीकि जयंती पर्व के उपस्थिति पर धूमधाम करते महर्षियाँ प्रौ. वी.आर. कुमार।

अनुभाव कर सदैव साकारत्यक स्तोत्र के स्वाद दूसरों के हित करने के लिए लेपार रान चाहए। कुलसंचालक एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.

बलकान सिंह मंडल ने भी महर्षि वाल्मीकि के दिखाएँ मार्गों पर प्रशार द्वारा लेपार रान चाहए। कुलसंचालक एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.

बलकान सिंह मंडल और वित्त विभाग नवीन जैन ने एकीकल्पना यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन कार्यालय के पारस्पर में ऐप्पेल्यू किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

चिराग टाइम्स

दिनांक

28.10.2023

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई महर्षि बालभीकि जयंती

हिसार (चिराग टाइम्स)
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एथीकल्चर यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन, हिसार की ओर से महर्षि बालभीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य पर बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि ने महर्षि बालभीकि की प्रतिमा के समक्ष दोष प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि प्रो. डॉ. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि महर्षि बालभीकि समस्त अधिकारियों में सर्वप्रथम कवि माने गए हैं। वे किंतु उन्होंने भगवान श्रीराम से चुने महाकाव्य रामायण की रचना की थी। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के हर कर्मचारी को आश्रम किया कि उनके समक्ष आने वाली परेशानियों का हल निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने भी



महर्षि बालभीकि के दिखाए मार्गों पर प्रकाश डाला। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल और वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने एथीकल्चर यूनिवर्सिटी स्वीपर्स यूनियन कार्यालय के परिमर में पौधरोपण किया।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाठुजा, परीक्षा नियंत्रक एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, होटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा, मीडिया एवं बाइबर डॉ. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, होटा प्रधान डॉ.

अशोक गोदारा एवं गर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील कुमार, महासचिव राजकुमार गंगवानी व सचिव रामस्वरूप, अनुसन्चित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के प्रधान मनोज कुमार, महासचिव नवीन कुमार, सफाई कर्मचारी संघ के प्रधान कालराम, महासचिव जोगेंद्र सिंह सहित कार्यकारिणी के सदस्य केलाश जेदिया, संभाष लोट, बीर कुमार, बंटी, छतरपाल, अनीत कुमार, नरेश, राजपाल चौहान, मुकेश गिल, ओमप्रकाश चौहान, सरला देवी, सीताराम, राज और गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय से जग्ना सिंह चौहान व मेजर सिंह चौहान इत्यादि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जैनक २११२०	२९-१०-२३	३	६४

October 28-29, 2023

Chief Guest Prof. B. R. Dubey
Principal Dr. S. K. Hiscar
Mrs. Ranbir Bishnoi
President Prof. Sandeep Chhokar
Pro Vice-Chancellor Dr. P. S. Hiscar
Pro Vice-Chancellor Dr. P. S. Hiscar

जीजौजू में आयोजित युवा फ़ेसिटवल में मुख्य अतिथि के स्थान में पहुंचे चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डी आर कंठोज को मंच पर सम्मानित करते जीजौजू के कुलपति प्रोफेसर नरसीतम विश्वनोई व अन्य व्यक्तियों द्वारा घोषित गया। ● जावरण



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भूजन का जनार्दन १३१२०१	२९-१०-२३	५	०७-४

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विक्रांत ने पाया प्रथम स्थान

Organized by
Department of Sociology, CCS HAU, Hisar in collaboration with P-IPR
College of Basic Sciences, Hisar, 20-21 October 2023

शोधकर्ता विक्रांत हुड़ा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • सौ. लव्ह जागर, हिसार: चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें भारत दर्श से सभी विश्वविद्यालयों से आए शोधकर्ताओं ने भाग लिया, जिसमें पास्टर

प्रस्तुतीकरण में मुख्य रूप से अपनी थीम में पीएचडी शोधकर्ता विक्रांत हुड़ा ने पहला स्थान पाया। इसके लिए उन्हें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने प्रमाण-पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
'अभू' 'उजाला'	३०/१०/२३	२	१-५

कम जीआई वाले आलू पर चल रहा शोध, मधुमेह के मरीज भी खा सकेंगे

सीपीआरआई के निदेशक बोले- आज तक हम आलू की 70 किस्में विकसित कर चुके, तापमानरोधी किस्में भी कर रहे तैयार

अमित भारद्वाज

हिसार। आने वाले दिनों में मधुमेह के मरीज भी बेखौफ होकर आलू खा सकेंगे। कम जीआई (स्टाइसिक इंडेक्स) वाले आलू को लेकर अनुसंधान चल रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 41वीं अंतिम भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की कार्यशाला में पहुंचे शिमला स्थित केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) के निदेशक डॉ. बुजेश सिंह ने विशेष बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने

• जलवायु परिवर्तन बन रहा चुनौती... डॉ. बुजेश सिंह के मुताबिक आलू के गमले में कई तरह की चुनौतियां हैं। आज तक हम आलू की 70 किस्में विकसित कर चुके हैं। इन्हें हमारे सभी कृषि जलवायु बैंक के हिसाब से विकसित किया गया है। पैजाम व हरियाणा में ठंड ज्यादा होती है और इस अवधि में आलू होता है। अगर इन शेषों में तापमान बढ़ता है तो शायद हम वहां आलू की खेती न कर सकें। इन चुनौतियों को देखते हुए हम तापमानरोधी किस्मों का विकास कर रहे हैं। अगर तापमान एक-दो डिग्री बढ़ भी गया तो भी हम आलू की खेती कर सकेंगे। हम कम पानी में होने वाली 4 किस्में भी विकसित कर चुके हैं।

बताया कि गेहूं के मुकाबले आलू का स्लाइमेंटिक इंडेक्स ज्यादा होता है। कम जीआई वाले आलू की वैरायटी विकसित करने के लिए हमारा संस्थान काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की करिज्मा नाम की

वैरायटी आई है, जिसे लेकर वह दावा कर रहे हैं कि इसका जीआई काफी कम है। मगर अभी तक हमें यह वैरायटी टेस्ट करने के लिए नहीं मिली है। जब हम उसे टेस्ट कर पाएंगे, तभी बता सकेंगे।

एयरोपोनिक्स विधि में एक ही आलू से मिल जाते हैं 50 आलू

एयरोपोनिक्स विधि है, जिसमें कंट्रोल्ड कंडीशन में आलू के बीज बनाए जाते हैं। फायदा यह है कि जहां एक आलू से छह आलू बनते हैं, जबकि इस विधि में एक आलू से औसतन 50 आलू मिल जाते हैं। चूंकि शुरुआत में ही नंबर बढ़ गया तो बीज को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

चिप्स की पांच तो फ्रैच फ्राइज की तीन किस्में की विकसित खाने वाले आलू की अलग और प्रोसेसिंग वाले आलू की अलग वैरायटी है। प्रोसेसिंग का एक पूरा सेक्टर है। हम चिप्स की 5 वैरायटी निकाल चुके हैं और फ्रैच फ्राइज की तीन वैरायटी निकाल चुके हैं।

* प्रोसेस प्रोडक्ट में हम बन सकते हैं अग्रणी... डॉ. बुजेश सिंह ने बताया कि देश में जिनसी आलू की मांग है, हम उससे बोडा ज्यादा ही पैदा कर रहे हैं। इसका फायदा यह है कि प्रोसेसिंग का सेक्टर बड़ी तरीफ से बढ़ रहा है। देश में आलू के प्रोसेस प्रोडक्ट बन रहे हैं और उनका निर्यात किया जा रहा है। इनमें डीहाईटेटेड प्रोडक्ट, फ्रैजन फ्रैच फ्राइज आदि का पूरे विश्व में निर्यात किया जा रहा है।